सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 181 | जौनपुर, मंगलवार, 18 फरवरी 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विधानसभा अध्यक्ष की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक कि आयोजित

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक हुई। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया। नेता सदन ने विपक्षी दलों से सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने का अनुरोध किया। बैठक विधान भवन समिति (कक्ष संख्या –8) में आयोजित हुई। विधानसभा का बजट सत्र 18 फरवरी मंगलवार से प्रारंभ होगा। इससे पहले हुई सर्वदलीय बैठक में मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों के नेताओं से कहा कि जनहित के मुद्दों को सदन में रखें। स्वस्थ चर्चा करके प्रदेश में विकास को और गति प्रदान करने में सरकार का सहयोग करें। नेता सदन योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जनप्रतिनिधि के रूप में जनता के हित से जुड़े हर मुद्दों पर सदन में सुचारू रूप से चर्चा होनी चाहिए। सीएम ने कहा कि सदन के संचालन में किसी प्रकार की बाधाएं न आएं, इसका ध्यान सभी सदस्यों को रखना चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने भी सदन के सुचारू संचालन के लिए सभी सदस्यों का सहयोग मांगा। बैठक में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय, कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के विधायक बेदी राम, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी से विनोद सरोज आदि मौजूद रहे।

रोक के बाद भी बुलडोजर कार्रवाई से सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। करके उनके 13 नवंबर 2024 के आदेश का उल्लंघन किया है। 13 नवंबर 2024 को दिए आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने बिना पूर्व नोटिस और दूसरे पक्ष को सुने बिना तोड़फोड़ कार्रवाई पर रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल कुशीनगर मामले में आगे किसी भी तरह की तोड़फोड़ कार्रवाई पर रोक लगा दी है। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए पूछा कि क्यों ने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अदालत की अवमानना करने के लिए कार्रवाई की जाए? सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर आदेश पारित करते हुए कुशीनगर मामले में आगे किसी भी तरह की तोड़फोड़ कार्रवाई पर रोक लगा दी है। गौरतलब है कि कुशीनगर जिले में प्रशासन ने मदनी मस्जिद के एक हिस्से में तोड़फोड़ की है। आरोप है कि मस्जिद का निर्माण जमीन पर अतिक्रमण करके किया गया। इस महीने की शुरुआत में प्रशासन ने बुलडोजर से मस्जिद के कथित अवैध हिस्से को गिरा दिया। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि जांच में पता चल गया था कि मस्जिद के निर्माण में कोई अतिक्रमण नहीं हुआ है और एसडीएम की रिपोर्ट में इसका जिक्र है। इसके बावजूद कार्रवाई की गई। याचिकाकर्ता का आरोप है कि उस पर दबाव बनाने के लिए उसके खिलाफ फर्जी एफआईआर दर्ज की गई। याचिकाकर्ता ने याचिका में दावा किया कि प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना की है। साथ ही तोड़फोड़ से पहले प्रशासन ने याचिकाकर्ता को अपना पक्ष रखने का भी मौका नहीं दिया। याचिकाकर्ता

ने किसी भी तोड़फोड़ कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने और तबाह किए गए हिस्से के पुनर्निर्माण या मुआवजा देने की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ की घटना बेहद दुखद – नीतीश कुमार

बिहार, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ को रविवार को ''बेहद दुखद'' घटना बताया। इस घटना में 18 लोगों की मौत हो गई। राष्ट्रीय राजधानी पहुंचने के बाद कुमार ने संवाददाताओं से कहा कि उनकी सरकार बिहार के भगदड़ पीड़ितों की मदद करेगी। भगदड़ के बारे में पूछे जाने पर कुमार ने कहा, ''मुझे इसके बारे में पता चला। यह बहुत दुखद घटना है। बिहार के भी लोग प्रभावित हुए हैं... हमने उनके परिवारों की मदद करने का फैसला किया है।'' बिहार सरकार ने भगदड़ में मारे गए राज्य के लोगों के परिजनों को दो लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। अधिकारियों के अनुसार, शनिवार शाम रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में 18 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए हैं।

आठवले ने 'लव जिहाद' पर कानून के संबंध में महाराष्ट्र सरकार के कदम का विरोध किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने ''लव जिहाद'' को रोकने के लिए महाराष्ट्र सरकार के कानून का मसौदा तैयार करने के कदम का रविवार को विरोध किया। महाराष्ट्र सरकार ने सरकारी संकल्प जारी किया है जिसमें कहा गया है कि पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) की अध्यक्षता वाली एक समिति ''लव जिहाद'' और जबरन धर्मांतरण की शिकायतों से निपटने के लिए कदम सुझाएगी। यह समिति कानूनी पहलुओं और अन्य राज्यों में बनाए गए कानूनों पर भी विचार करेगी तथा ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कानून बनाने की सिफारिश करेगी। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री आठवले ने संवाददाताओं से कहा, ''अंतर–धार्मिक विवाह को लव जिहाद कहना गलत है। धर्मांतरण रोकने के लिए प्रावधान होना चाहिए। सामाजिक और धार्मिक सौहार्द को बिगाड़ने से रोकने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (ए) के प्रमुख ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सभी को समान मानते हैं ।और उन्होंने सभी के लिए कल्याणकारी उपाय शुरू किए हैं।

मोदी ने ट्रंप को निर्वासित भारतीयों के मामले में जनाक्रोश से अवगत नहीं कराया – जयराम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आरोप लगाया कि हाल में जब वह अमेरिका यात्रा पर थे तब उन्होंने अपने ''परम मित्र'' डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिका से निर्वासित किये गये भारतीयों को बेड़ियों में जकड़ कर भेजे जाने से पैदा हुए आक्रोश के बारे में नहीं बताया। इस महीने अब तक दो अमेरिकी सैन्य विमान भारतीयों को लेकर अमृतसर पहुंचे हैं। ऐसा अवैध प्रवासन के विरूद्ध कार्रवाई के ट्रम्प प्रशासन के वादे के तहत किया गया है। अमेरिका से एक और निर्वासन उड़ान रविवार रात को अमृतसर पहुंचने वाली है। कई निर्वासित लोगों ने दावा किया कि उड़ान में उन्हें बेडिघ्यों में जकड़कर रखा गया था। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने अमेरिका से निकाले गए भारतीयों को बेड़ियों में जकड़ जाने की खबरों का हवाला देते हुए कहा, ''यह पूरी तरह स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री ने अपने परम मित्र (ट्रंप) को अमेरिका से भारतीय नागरिकों को निकाले जाने के तरीके पर हमारे देश की नाराजगी से अवगत नहीं कराया। केवल कायर ही 56 इंच के सीने का दावा करते हैं।'' शनिवार देर रात 116 अवैध भारतीय प्रवासियों को लेकर एक अमेरिकी सैन्य विमान अमृतसर हवाई अड्डे पर पहुंचा। इन निर्वासितों में से पुरुषों ने दावा किया कि यात्रा के दौरान वे बेड़ियों में जकड़े हुए थे और सिख युवक कथित तौर पर बिना पगड़ी के थे।

आयकर राहत का मतलब पूंजीगत व्यय से सरकार का ध्यान हटना नहीं–निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बजट 2025 में दी गई आयकर में भारी छूट का मतलब यह नहीं है कि सरकार ने पूंजीगत व्यय से ध्यान हटाकर खपत बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को यह बात कही। वित्त मंत्री की यह प्रतिक्रिया बजट 2025–26 में सालाना 12 लाख रुपये तक की आय वाले लोगों को आयकर के दायरे से बाहर रखने के बाद यह बहस शुरू होने के बाद आई है कि सरकार ने लगातार दो तिमाहियों में जीडीपी के आंकड़ों में धीमी वृद्धि को देखते हुए खपत को बढ़ावा देने पर जोर दिया है। मुंबई में हितधारकों के साथ बजट के बाद की बातचीत में, वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि लोगों को यह नहीं सोचना चाहिए कि

पूंजीगत व्यय से ध्यान हटाकर खपत पर जोर दिया गया है, सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में पूंजीगत व्यय प्रावधानों में लगातार वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि व्यापक तस्वीर यह है कि कोविड के बाद से सरकार का जोर पूंजीगत संपत्ति बनाने के लिए सार्वजनिक व्यय पर बना हुआ है। इस बार, बजट 2025 में पूंजीगत व्यय पर खर्च का प्रस्ताव 10.2 प्रतिशत अधिक और लगभग 16 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें पीएसयू पूंजीगत व्यय भी शामिल है। सरकार ने खुद 2025–26 के लिए 11.21 लाख रुपये का पूंजीगत व्यय बजट में रखा है। 2024–25 के संशोधित अनुमानों में 13.18 लाख करोड़ के मुकाबले प्रभावी पूंजीगत व्यय 15.48 लाख करोड़ होने का अनुमान है। प्रभावी पूंजीगत व्यय में मुख्य पूंजीगत व्यय और पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए राज्यों को दिया जाने वाला सहायता अनुदान शामिल हैं। हालांकि पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए सहायता अनुदान को बजट में राजस्व व्यय के रूप में शामिल किया जाता है, लेकिन वे राज्यों में पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण पर खर्च होते हैं हैं। वित्त मंत्री ने कहा, ष्मुझे लगता है कि लोगों का यह सोचना कि पूंजीगत व्यय से ध्यान हटाकर उपभोग बढ़ाने पर जोर दिया गया है, यह सही नहीं है। पूंजीगत व्यय पर जोर हमेशा से हमारी सरकार की प्राथमिकता वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार ने पूंजीगत व्यय बजट बढ़ाया है और साथ ही कर में कटौती के माध्यम से कुछ रियायतें दी हैं, खासकर व्यक्तिगत आयकर, उन लोगों के लिए जो खर्च करना या बचत करना या निवेश करना चाहते हैं। वित्त ने करदाताओं के बारे में सोचने और उन्हें बड़ी कर राहत देने के लिए प्रेरित करने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री इस बात पर तुरंत सहमत हो गए कि बजट में 12 लाख रुपये तक की कर राहत का प्रस्ताव होना चाहिए। उन्होंने कहा, ष्आज शायद (यह) ऐसा लग रहा है कि हमने पूंजीगत संपत्ति निर्माण के बजाय उपभोग बढ़ाने पर जोर दिया है, पर पूंजीगत व्यय पर जोर हमेशा से ही हमारी सरकार की प्राथमिकता रही है।

सरकार ने संभावित झटकों की चेतावनी दी प्रधानमंत्री ने दिल्लीवालों से शांत रहने की अपील की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की सुबह काफी खौफ में हुई। तड़के भुकंप के तेज झटको ने दिल्ली वालों का हिला दिया। दिल्ली में भूकंप तो 4.0 तीव्रता का आया है लेकिन इस भूकंप ने सभी को हिला दिया। जोरदार आवाज के साथ धरती कई सेकेंड तक कांपती रही। तेज–तेज झटकों ने लोगों को सहमा दिया। लोग जान बचाने के लिए घर से बाहर भागे। दिल्लीवासियों मे अपना अनुभव बताते हुए कहा कि आज से पहले ऐसा भूकंप नहीं देखा। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, रिक्टर पैमाने पर 4.0 तीव्रता का भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 5:36 बजे आया, जिसका केंद्र दिल्ली के धौला कुआं में था। 4.0 तीव्रता वाले भूकंप को मध्यम (समान्य) माना जाता

है, लेकिन इसकी उथली गहराई और घनी आबादी वाले इलाकों के करीब होने के कारण इसका प्रभाव सामान्य से अधिक मजबूत महसूस किया गया। जिस शहर में भूकंप का केंद्र होता है वहां पर भूकंप के झटके तेज और तेज आवाज के साथ होते हैं। क्योंकि भूकंपीय तरंगें संरचनाओं तक पहुँचने से पहले कम दूरी तय करती हैं, जिससे कंपन बढ़ जाता है। दिल्ली, जो भूकंपीय क्षेत्र प्ट में आता है, मध्यम से लेकर मजबूत भूकंपों के लिए प्रवण है, जिससे स्थानीय कंपन अधिक स्पष्ट हो जाती हैं। विशेषज्ञों ने नोट किया कि इमारतें, विशेष रूप से ऊँची इमारतें, अपने डिजाइन के कारण अधिक हिलती हैं, जिससे कंपन की तीव्रता बढ़ जाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को दिल्ली–एनसीआर क्षेत्र के निवासियों से ष्शांत रहनेष और ष्संभावित झटकों के प्रति सतर्क रहनेष का आग्रह किया। एक्स पर बात करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहारू ष्दिल्ली और आस–पास के इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। सभी से शांत रहने और सुरक्षा सावधानियों का पालन करने तथा संभावित झटकों के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया। अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं।ष प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को यह भी आश्वासन दिया कि संबंधित अधिकारी लगातार स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। संभावित झटकों के बारे में प्रधानमंत्री मोदी की चेतावनी के तुरंत बाद केंद्रीय विज्ञान मंत्री जितेंद्र सिंह ने एक्स पर बात की और कहारू ष..शांत रहने और संभावित झटकों के लिए सुरक्षा सावधानियों और तैयारियों को अपनाने की सलाह दी जाती है। भूकंप की गतिविधियों की निगरानी करने वाली और देश में भूकंप संबंधी शोध करने वाली केंद्र सरकार की नोडल एजेंसी नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र में 4.0 तीव्रता का भूकंप आया, जिसमें नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद समेत अन्य स्थान शामिल हैं। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, भूकंप का केंद्र नई दिल्ली के धौला कुआं में था और भूकंप 5 किलोमीटर की गहराई पर आया। एक अधिकारी ने पुष्टि की कि भूकंप का केंद्र धौला कुआं में दुर्गाबाई देशमुख कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन के पास था।

दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ की अंतिम जिम्मेदारी रेल मंत्री की है – पवन बंसल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन कुमार बंसल ने रविवार को कहा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ की अंतिम जिम्मेदारी रेल मंत्री की है और वह इससे बच नहीं सकते। पूर्व रेल मंत्री बंसल ने कहा कि सरकार तीर्थयात्रियों की भीड़ का अनुमान लगाने और उसके अनुसार व्यवस्था करने में पूरी तरह ''विफल'' रही है। बंसल ने कहा कि महाकुंभ के बारे में व्यापक प्रचार के कारण बड़ी संख्या में लोग वहां पहुंच रहे हैं, लेकिन रेलवे स्टेशनों पर उस हिसाब से व्यवस्था नहीं की गई। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान रेल मंत्री रहे बंसल ने कहा कि नई दिल्ली देश का सबसे प्रतिष्ठित रेलवे स्टेशन है और उन्होंने आश्चर्य जताया कि महाकुंभ पर भीड़ के मद्देनजर पहले से पर्याप्त व्यवस्था क्यों नहीं की गई। कांग्रेस नेता ने कहा कि महाकुंभ और छठ पूजा जैसे आयोजनों के दौरान उचित योजना के साथ पहले से व्यवस्था करनी पड़ती है। उन्होंने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, ''पर्याप्त और उचित व्यवस्था नहीं थी। सरकार तीर्थयात्रियों की भीड़ का अनुमान लगाने में पूरी तरह विफल रही... अधिकारियों की ओर से व्यवस्थाओं की कमी के कारण यह त्रासदी हुई।'' यह पूछे जाने पर कि क्या रेल मंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए, बंसल ने कहा कि जिस तरह मंत्री रेलवे में होने वाली हर चीज का श्रेय लेते हैं, उसी तरह उन्हें ''कुप्रबंधन'' की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए।

ठेकेदार बिना काम किये बिल जमा कर रहे हैं - उपमुख्यमंत्री अजित पवार का दावा

मुबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने आरोप लगाया है कि कई ठेकेदार निर्माण कार्य किये बिना ही बिल जमा कर रहे हैं और धन प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वह शनिवार को जालना जिले के परतुर में एक कार्यक्रम में बोल रहे थे, जहां पूर्व विधायक और कांग्रेस नेता सुरेश जेठलिया राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में शामिल हो गए। उपमुख्यमंत्री ने अफसोस जताया कि पर्याप्त सरकारी खर्च के बावजूद विकास कार्यों की गुणवत्ता ''घटिया'' बनी हुई है, और उन्होंने ठेकेदारों को अपनी पार्टी में शामिल नहीं होने देने का संकल्प लिया। राज्य के वित्त विभाग का भी प्रभार संभाल रहे पवार ने कहा, ''बिल जमा किए जा रहे हैं और बिना काम किए पैसे निकाले जा रहे हैं। मेरी पार्टी (राकांपा) में मत आइए।'' उन्होंने सरकारी अधिकारियों से भी अपना काम ईमानदारी से करने का आग्रह किया। उपमुख्यमंत्री ने छत्रपति संभाजीनगर में गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल (जीएमसीएच) के लिए वित्तीय सहायता की भी घोषणा की। हालांकि, पवार ने अस्पताल में स्वच्छता को लेकर चिंता जताई और थूकने तथा परिसर को गंदा किये जाने की निंदा की। उन्होंने कहा, ''मुझे बताया गया है कि लोग अस्पताल में थूक रहे हैं।

विकास पहलों ने पूरे भारत में आदिवासी समुदायों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कहा कि देश में जारी विकास पहलों ने आदिवासी समुदायों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। 'आदि महोत्सव, 2025' के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय की प्रगति सुनिश्चित करने के लिए बहुआयामी प्रयास किए जा रहे हैं। मुर्मू ने कहा, ''हमारे देश का वास्तविक विकास तभी होगा जब हमारे आदिवासी समुदाय आगे बढ़ेंगे।'' राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि विकास पहलों ने अरुणाचल प्रदेश से लेकर गुजरात और जम्मू–कश्मीर से लेकर अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तक के आदिवासी समुदायों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। उन्होंने कहा, ''इन प्रयासों ने न केवल आदिवासी परिवारों को अवसर प्रदान किए हैं, बल्कि उनकी संस्कृति और योगदान के बारे में जागरूकता भी बढ़ाई है।'' राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा इन प्रयासों का मूल है, जिससे आदिवासी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसर प्राप्त करने में मदद मिलेगी और उन्हें बेहतर भविष्य के लिए सशक्त बनाया जा सकेगा। मुर्मू ने यह भी कहा कि शिक्षा के अवसरों को और बढ़ाने के लिए लगभग 250 नए एकलव्य स्कूल निर्माणाधीन हैं। उन्होंने कहा कि लाखों आदिवासी छात्र छात्रावास सुविधाओं से लाभान्वित हो रहे हैं और उन्हें विदेश में

उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए वित्तीय सहायता भी दी जा रही है। मुर्मू ने कहा, ''शिक्षा किसी भी समाज के विकास में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और यह बहुत संतोष की बात है कि 470 से अधिक एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) देश भर में 1.25 लाख आदिवासी बच्चों को शिक्षा प्रदान कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में स्वास्थ्य सेवा की पहुंच बढ़ाने के लिए आदिवासी बहुल क्षेत्रों में 30 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए हैं। 'आदि महोत्सव', एक वार्षिक उत्सव है, ।

संपादकीय

अश्लीलता-अभद्रता की हद

हाल के दिनों में सोशल मीडिया से जुड़े प्लेटफॉर्मों के कार्यक्रमों में स्वेच्छाचारिता और वर्जनाएं तोड़ने के अनगिनत मामले प्रकाश में आए हैं। जो भारतीय सामाजिक व पारिवारिक मूल्यों का अतिक्रमण करते हुए अराजक व्यवहार कर रहे हैं। पिछले दिनों संसद से लेकर सड़क तक यूट्यूब पर प्रसारित एक फूहड़ व अभद्र कार्यक्रम के खिलाफ कार्रवाई की मांग गूंजती रही, जिसमें अभद्रता से सामाजिक मर्यादा की सीमाएं लांघने की कुत्सित कोशिश हुई। पिछले दिनों कॉमेडियन समय रैना के यूट्यूब शो 'इडियाज गॉट टैलेंट' में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर व यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया ने एक अश्लील, अभद्र व अमर्यादित टिप्पणी की। इस बदमिजाज यूट्यूबर ने शो के एक प्रतिभागी के माता–पिता के अंतरंग पलों के बारे में घोर निंदाजनक प्रश्न किए। जैसा अपेक्षित था, भारतीय परिवार व सांस्कृतिक मूल्यों पर हमला करने वाली टिप्पणी पर देश में भारी विवाद हुआ। देश के विभिन्न भागों में इस मामले में शिकायतें दर्ज की गईं, और राष्ट्रीय महिला आयोग ने ऐसे कार्यक्रमों के नियमन की मांग करते हुए कार्रवाई की सिफारिश की। साथ ही राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने यूट्यूब से इस विवादित कार्यक्रम को हटाने के निर्देश दिए। देश के राजनीतिक क्षेत्रों में भी इस विवाद को लेकर तीखी टिप्पणियां सामने आईं। इस विवाद ने देश में इस बहस को एक बार फिर तेज किया कि सामाजिक मूल्यों को लेकर अभिव्यक्ति की आजादी की सीमा के निर्धारण और डिजिटल कंटेंट निर्माताओं की जवाबदेही कैसे तय की जाए। साथ ही रचनात्मक अभिव्यक्ति तथा सार्वजनिक शिष्टाचार में सामंजस्य कैसे बनाया जाए। दरअसल, सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर लाइक और फॉलोअर्स बढ़ाने के लिये तमाम फूहड़ व तल्खीभरे कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाता है, ताकि इससे यूट्यूबरों की आय बढ़ सके। बदलते वक्त की विडंबना यह है कि धीर–गंभीर व उपयोगी कार्यक्रमों को दर्शकों का वह प्रतिसाद नहीं मिलता, जो ऊल–जलूल कार्यक्रमों को मिलता है। इन कार्यक्रमों के ज्यादा देखे जाने से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का विज्ञापन भी बढ़ता है। इसी होड़ में अमर्यादित और विवादास्पद कार्यक्रमों की शृंखला का जन्म होता है। ऐसे में सवाल उठाया जा रहा है कि क्या सोशल मीडिया नियमन को लेकर बने कानून इस अराजकता पर अंकुश लगाने में सक्षम हैं? क्या इलेक्ट्रानिक माध्यमों के जरिये प्रसारित सामग्री पर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम को सख्त बनाने की जरूरत है? क्या अश्लील अभिव्यक्ति को दंडनीय बनाने के लिये सख्त कानूनों की जरूरत है? सवाल यह भी है कि हंसी मजाक के कार्यक्रमों के लिये सामाजिक मर्यादाओं की सीमा कैसे तय की जाए? जाहिर है अब वक्त आ गया है कि मनोरंजक हास्य कार्यक्रमों और आपत्तिजनक कंटेंट के बीच सीमा का निर्धारण किया जाए। निस्संदेह, किसी लोकतांत्रिक देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अपरिहार्य शर्त है, लेकिन इसका अर्थ यह कदापि नहीं है कि हम तमाम सामाजिक व पारिवारिक मर्यादाओं को ताक पर रख दें। किसी भी सूरत में सोशल मीडिया को एंटी सोशल अभिव्यक्ति की आजादी नहीं दी जा सकती। निस्संदेह, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को कंटेंट के बाबत जवाबदेह बनाने की जरूरत है। इसके संचालकों को चाहिए कि रचनात्मक स्वतंत्रता के नाम पर सार्वजनिक शिष्टाचार का अतिक्रमण न करें।

मुफ्त की कल्याणकारी योजनाएं स्वावलंबन दें

एस.वाई.

चुनावी मौसम में, भारतीय मतदाता पर विभिन्न राजनीतिक दलों की तरफ से वादों की झड़ी लग जाती है। राजनेताओं को अचानक आम आदमी और उसको सता रही चिंताओं की याद आने लगती है। शहरी गरीब, बेरोजगार युवा, अल्पसंख्यक, झुग्गी–झोपड़ी में रहने वाली जनता और आदिवासी दृ जिन्हें पांच सालों में अधिकतर समय उपेक्षित रखा जाता है– अचानक महत्वपूर्ण होकर, भावुक चर्चाओं के केंद्र में आ जाते हैं। यह एक भव्य तमाशा है, वादों का एक ऐसा नाटक, जिसमें नकदी के अलावा मुफ्त बिजली, भोजन और टीवी, साइकिल और लैपटॉप जैसे भौतिक साधन राजनीतिक मनुहार का माध्यम बन जाते हैं। हाल के दिनों में, हमारे राजनीतिक शब्दकोश में एक नया शब्द शामिल हुआ है रू 'रेवड़ी संस्कृति'। प्रधानमंत्री द्वारा मुफ्त की इस तथाकथित संस्कृति की आलोचना ने एक नई बहस को जन्म दिया है, जिसमें कल्याणकारी उपायों की वैधता पर सवाल उठाते हुए पूछा जा रहा है कि क्या ये व्यवहार्य हैं या सिर्फ उदारता के वेष में राजकोषीय गैर–जिम्मेदाराना कृत्य हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने भी अब इस मामले में दखलअंदाजी करते हुए चिंता व्यक्त की है कि अत्यधिक अनुदान लोगों को निष्क्रिय बना रहे हैं। हाल ही में एक खंडपीठ ने टिप्पणी की कि मुफ्त का राशन लोगों को काम से बचने वाला बना सकता है, और ऐसी नीतियां एक परजीवी वर्ग पैदा कर सकती हैं। हाल ही में संपन्न दिल्ली चुनावों में, सभी प्रमुख दलों ने मुफ्त उपहार देने में एक–दूसरे के साथ होड़ लगाई थी दृ महिलाओं और युवाओं को मासिक नकद सब्सिडी के अलावा मुफ्त बिजली, पानी, यात्रा, चिकित्सा–उपचार और शिक्षा इत्यादि। कोई आश्चर्य नहीं कि सुप्रीम कोर्ट ने कड़े शब्दों में जो प्रतिक्रिया व्यक्त की है,विचार करने लायक है। बहस का सार व्यापक है रू क्या ये मुफ्त चीजें गरीबों के कल्याण के लिए जरूरी हैं या चुनावी लाभ पाने को सियासी दलों की जरूरत भर हैं? एक और मुद्दा रू अगर वादा गरीबों के लिए हो, तो इसे 'मुफ्त रेवड़ी' ठहराया जाता है, और जब अमीरों के लिए हो, तो प्रोत्साहन बताया जाता है। इस बहस में, अर्थव्यवस्था पर ध्यान कहीं पीछे छूट जाता है। भारत में मुफ्त तोहफे मोटे तौर पर दो श्रेणियों में आते हैं रू वह जो चुनाव घोषणा से पहले दिए जाते हैं या वे जिनका वादा आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद किया जाता है। पहले प्रकार वाले सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा लिए गए नीतिगत निर्णय होते हैं– सब्सिडीज, मूल्य कटौती, नई कल्याणकारी योजनाएं जो आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले, सुविधाजनक समय पर लागू किए जाते हैं। दूसरी श्रेणी वाले वह हैं, जो पार्टी के घोषणापत्रों के माध्यम से पेश किए जाते हैं– राजकोषीय परिणामों की परवाह किए बिना बड़े–बड़े वादे।

चाहे इसके लिए मुफ्त का भोजन, परिवहन, खातों में नकदी का वादा किया जाए, घोषणापत्र चुनाव आयोग की जांच को आकर्षित नहीं करते। सुप्रीम कोर्ट ने 2013 के एक मामले में फैसला सुनाया था कि ऐसे वादे जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत 'भ्रष्ट आचरण' नहीं कहे जा सकते, भले ही वे निर्विवाद रूप से स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनावों की जड़ें हिलाने वाले हों'। अदालत ने चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों के परामर्श से दिशा–निर्देश तैयार करने का निर्देश दिया था। ये निर्देश वास्तव में जवाबदेह चुनाव प्रचार को बढ़ावा देने और यह सुनिश्चित करने के लिए 2013 में जारी किए गए थे कि घोषणापत्रों में किए गए वादे यथार्थवादी हों और मतदाताओं को अनुचित प्रभावित न करें। हालांकि, जो हम देखते हैं वह उल्लंघन है, यहां तक कि लाखों करोड़ रुद्द बांटे जाते हैं। यह मतदाताओं को रिश्वत नहीं, तो और क्या है? और यह पैसा आता कहां से है? जाहिर है आपकी और मेरी जेब से। राजनेता हमारी जेबें खाली कर चुनाव जीतते हैं! मुफ्त की रेवड़ियों पर बहस में दोगलापन साफ दिखता है। जब प्रावधान गरीबों के लिए होंदृ जैसे राशन योजना, मुफ्त बिजली, सामाजिक कल्याण लाभ दृ इनको रेवड़ी बता प्रचारित किया जाता है, जबकि कॉर्पोरेट अभिजात्य वर्ग को बहुत बड़े पैमाने पर दी टैक्स कटौती को राष्ट्र की प्रगति के लिए जरूरी वित्तीय 'प्रोत्साहन' बताया जाता है। आंकड़े इस तर्क का समर्थन करते हैं। वर्ष 2019 में, सरकार ने घरेलू निर्माताओं के लिए कॉर्पोरेट कर की दर को 30 प्रतिशत से घटाकर 22 प्रतिशत और नई विनिर्माण कंपनियों के लिए 25 से घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया था,इस कदम से सरकारी खजाने को 1.5 लाख करोड़ रु. का नुकसान हुआ, जिससे राजकोषीय घाटा काफी बढ़ा। यह निर्णय 36 घंटों में क्रियान्वित भी कर दिया गया,जोकि मंत्रिमंडल में रखे बिना विशेषाधिकार प्रावधान के जरिये लागू किया गया। ऑक्सफैम की रिपोर्ट से खुलासा होता है कि कोविड–19 महामारी के दौरान, जहां गरीबी बढ़ी और बेरोजगारी 15 प्रतिशत जैसे उच्च स्तर पर पहुंच गई वहीं भारत में अरबपतियों की संख्या में 39 प्रतिशत वृद्धि हुई। 10 सबसे अमीर भारतीयों ने इस दौरान जितना मुनाफा बनाया, वह 25 वर्षों तक भारत के प्रत्येक बच्चे की शिक्षा के लिए पर्याप्त धन जितना है। यह शाश्वत विरोधाभास है। जब सरकार अरबपतियों को कर–लाभ देती, तो यह आर्थिक सुधार के नाम पर होता है। लेकिन जब राहत गरीबों को प्रदान करनी हो तो इसे राजकोषीय गैर–जिम्मेदारी करार दिया जाता है। मुफ्त चीजों से निर्भरता बढ़ने के बारे में शीर्ष अदालत की हालिया टिप्पणी इस बहस में एक और गंभीर आयाम जोड़ती है। विशेष रूप से ग्रामीण भारत को लेकर चिंता यह जताई जा रही है कि मुफ्त राशन और कल्याण योजनाएं श्रम करने को हतोत्साहित कर रही हैं। न्यायमूर्ति बीआर गवई ने टिप्पणी की कि महाराष्ट्र में किसानों को खेत मजदूर मिलने में मुश्किल आ रही है क्योंकि वे दिहाड़ी की बजाय मुफ्त राशन पर निर्भर रहने को तरजीह देने लगे हैं। जब से मनरेगा योजना विभिन्न रूपों में शुरू हुई है, इस तंगी का असर पंजाब में विशेष रूप से नजर आ रहा है। इससे इस तर्क को बल मिलता है कि कल्याणकारी उपायों की रूपरेखा ऐसी हो कि लोग सशक्त बनें न कि स्थायी निर्भरता पैदा करने वाली। निर्भरता बनने के पीछे असल दोषी किफायती स्वास्थ्य सेवा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्थाई रोजगार अवसरों की कमी है, न कि कल्याणकारी कार्यक्रम। अगर लोगों के पास सुरक्षित, अच्छे वेतन वाली नौकरियां हों, तो वे दान के रूप में मिलने वाले मुफ्त के अनाज पर निर्भर नहीं होंगे।

रोजगारपरक शिक्षा से रुकेगा युवाओं का पलायन

सुरेश सेठ

भारत को युवाओं का देश कहा जाता है, क्योंकि यहां की आधी आबादी 18 से 35 वर्ष की युवा पीढ़ी वाली है, जो कर्मशील है। लेकिन विडंबना यह है कि इस पीढ़ी को रोजगार की सही गारंटी देने की बजाय, उन्हें केवल बेरोजगारी से जूझने की गारंटी दी जाती है। देश में शॉर्टकट संस्कृति और अनुकंपाओं का बोलबाला है। एक ओर विकास दर के बढ़ने के आंकड़े प्रस्तुत किए जाते हैं और कहा जाता है कि हम सबसे तेज आर्थिक विकास कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर लोगों के पास पर्याप्त रोजगार नहीं है। उनकी उम्मीदें टूट रही हैं। शिक्षा की डिग्रियां अब कृत्रिम मेधा और डिजिटल दुनिया से असंबद्ध होती जा रही हैं। आज का युवा खुद को देश की मुख्यधारा से अलग महसूस करता है। हम एक समानतावादी समाज बनाने का संकल्प लेकर चले थे, लेकिन असमानताएं बढ़ती चली गईं। देश की 90 प्रतिशत संपत्ति मुट्ठीभर लोगों के हाथों में सिमट गई है। यह स्थिति पहले भी सच थी और आज भी वही सच है। शायद जब हम आजादी के शतकीय महोत्सव पर खुद को एक विकसित राष्ट्र कहेंगे, तब भी यही सच रहेगा। एक ऐसा राष्ट्र, जहां 80 करोड़ से अधिक लोग रियायती अनाज पर निर्भर हैं। ऐसे में सपनों और उम्मीदों से भरा नौजवान अपने देश में अपने भविष्य को खो चुका महसूस करता है। उसे विदेश जाने के सपने ललचाने लगते हैं और वह किसी भी तरीके से, वैध या अवैध, विदेश जाने को तैयार हो जाता है। अमेरिका उनका सबसे आकर्षक गंतव्य बन जाता है। वहां की आय भारतीय मुद्रा में लाखों रुपये बन जाती है, जिससे वह कम से कम वेतन पाकर भी समृद्ध जीवन जीने की उम्मीद करता है। ऐसे में, गांवों में खाली पड़े घर और बुजुर्गों के लिए बनी हवेलियां बस अकेलेपन और असमर्थता का प्रतीक बन जाती हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अवैध प्रवासी भारतीयों और अन्य देशों के नागरिकों को अमेरिका से निकालने का अभियान शुरू किया, जिसके तहत बिना वैध कागजात वाले भारतीय नागरिकों को अस्तित्व के संकट का सामना करना पड़ा। ट्रम्प का नारा 'अमेरिका अमेरिकियों के लिए' अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे भारतीयों के लिए मुश्किलें बढ़ा रहा है। इमिग्रेशन एजेंटों द्वारा दिखाए गए झूठे सपने अब टूट रहे हैं, क्योंकि इन एजेंटों ने फर्जी अकादमियों और विश्वविद्यालयों के माध्यम से युवाओं को विदेश भेजने का झांसा दिया था। यह पीढ़ी अपने सपनों से निर्वासित होकर एक भटकाव की स्थिति में है। इन युवाओं के भविष्य का निर्धारण केवल भारत में होना चाहिए, जहां उन्हें सही दिशा और अवसर मिले। पंजाब में अवैध इमिग्रेशन एजेंटों की संख्या भयावह है। यहां पंजीकृत एजेंटों की संख्या महज 212 है, जबकि अधिकांश एजेंट अवैध रूप से काम कर रहे हैं। इसके बावजूद, ट्रैवल एजेंट नए तरीके से युवाओं को विदेश भेजने का झांसा देते हैं, जो उन्हें अवैध रास्तों से, जैसे जंगलों में भटकने, पैदल चलने और लाखों रुपये खर्च करने के बावजूद सही मंजिल तक नहीं पहुंचने देते। अब अमेरिकी सरकार ने अवैध प्रवासियों के खिलाफ अभियान शुरू किया है, जिसके तहत जो लोग बिना कागजात के अमेरिका में प्रवेश करेंगे, उन्हें निकाल बाहर किया जाएगा। यह समस्या केवल युवाओं के लिए नहीं, बल्कि उनके परिवारों के लिए भी गंभीर है, जो अपने बच्चों को विदेश भेजने के लिए मजबूर होते हैं। क्या भारत को अपनी युवा पीढ़ी के लिए रियायतें मांगने की आवश्यकता हो गई है? यह एक गंभीर सवाल है। मोदी और ट्रम्प की मैत्री को देखते उम्मीद की जा सकती है कि इन युवाओं को थोड़ी राहत मिल सकेगी।

स्वास्थ्य

खून की कमी को दूर करने के लिए खाएं ये 9 सुपर फुड

हमारे शरीर में खून की कमी होने से बहुत सारी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। खून की कमी से शरीर में कमजोरी, थकान, चक्कर आना और चेहरे पर पलकों का पीला होना जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इस कमी को दूर करने के लिए हमें अपने आहार में कुछ विशेष चीजों को शामिल करना चाहिए, जो रक्तवर्धक होती हैं। आइए जानें उन 9 प्रमुख खाद्य पदार्थों के बारे में, जो शरीर में खून बढ़ाने में मदद करते हैं

चुकंदर

चुकंदर ब्लड पुरिफायर के रूप में बहुत फायदेमंद होता है। इसमें आयरन और फोलिक एसिड की अच्छी मात्रा होती है, जो लाल ब्लड सेल्स को बढ़ाने में मदद करती है। यह खून की कमी को दूर करने में सहायक है। इसके अलावा, यह शरीर को ऊर्जा भी प्रदान करता है और शरीर की रंगत को भी सुधारता है। चुकंदर को कच्चा खा सकते हैं या फिर जूस के रूप में भी ले सकते हैं। सलाद में भी चुकंदर को डाल सकते हैं।

सूखे मेवे

सूखे मेवे जैसे कि काजू, बादाम, अखरोट और पिस्ता खून बढ़ाने के लिए बहुत अच्छे होते हैं। इन मेवों में आयरन, विटामिन म और अन्य पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर में खून की कमी को दूर करने में मदद करते हैं। साथ ही ये शरीर को ताजगी और ऊर्जा भी प्रदान करते हैं। सूखे मेवे को रोजाना सुबह–शाम खाने से फायदा होता है। आप इन्हें दूध के साथ भी ले सकते हैं।

डार्क चॉकलेट

डार्क चॉकलेट में आयरन की अच्छी खुराक होती है, जो ब्लड सेल्स के निर्माण में मदद करती है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स भी होते हैं, जो शरीर को स्वस्थ रखने में सहायक होते हैं। यह दिल के लिए भी फायदेमंद है। लदिन में 1–2 टुकड़े डार्क चॉकलेट के खा सकते हैं। यह आपकी शुगर की क्रेविंग को भी कंट्रोल करता है।

सेब

सेब का सेवन खून बढ़ाने के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें विटामिन ब और आयरन होता है, जो शरीर में खून की कमी को पूरा करने में मदद करता है। सेब शरीर को ताजगी और ऊर्जा भी प्रदान करता है। रोज एक सेब खाएं या इसे जूस के रूप में पिएं। यह पाचन तंत्र को भी सही रखता है।

खजूर

खजूर आयरन और फोलिक एसिड से भरपूर होता है, जो शरीर में खून बढ़ाने के लिए आवश्यक हैं। खजूर शरीर को ऊर्जा भी प्रदान करता है और ब्लड प्रेशर को स्थिर रखता है। यह शरीर को स्वस्थ और ताजगी से भरपूर बनाता है। खजूर को आप सुबह खाली पेट खा सकते हैं या इसे दूध में उबालकर भी ले सकते हैं।

कद्दू के बीज

कद्दू के बीज आयरन, जिंक और मैग्नीशियम से भरपूर होते हैं। ये रक्त को शुद्ध करते हैं और शरीर में खून की कमी को दूर करने में मदद करते हैं। इसके अलावा, ये शरीर को ऊर्जा भी प्रदान करते हैं। कद्दू के बीज को आप सलाद में डाल सकते हैं या फिर इन्हें सीधे तौर पर खा सकते हैं।

दालें

दालों में प्रोटीन और आयरन की अच्छी मात्रा होती है, जो खून बढ़ाने में सहायक होती हैं। मूंग दाल, मसूर दाल और अरहर दाल रक्त में आयरन की कमी को पूरा करने में मदद करती हैं। इनका नियमित सेवन शरीर को ताजगी और ऊर्जा प्रदान करता है। दालों को सब्जी या सूप के रूप में खा सकते हैं।

अनाज

चावल, गेहूं, बाजरा, ओट्स आदि जैसे अनाज आयरन और फाइबर से भरपूर होते हैं, जो शरीर में खून बढ़ाने में मदद करते हैं। ये पेट को साफ रखते हैं और पाचन तंत्र को सुधारते हैं। अनाज का सेवन रक्त के प्रवाह को बनाए रखने में सहायक होता है।अनाज को दलिया, खिचड़ी या रोटी के रूप में खा सकते हैं।

पालक

पालक में आयरन और फोलिक एसिड की अच्छी मात्रा होती है, जो रक्त को बढ़ाने में मदद करती है। यह शरीर में खून की कमी को दूर करता है और शरीर को ताकत प्रदान करता है। पालक में विटामिन ज्ञ भी होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाता है। पालक की सब्जी या सूप बना कर खा सकते हैं। इसे सलाद में भी डाल सकते हैं।

अमरूद के पत्ते से बालों का झड़ना रोकें, पाएं घने और मजबूत बाल

आजकल बालों का झड़ना एक आम समस्या बन गई है, जो न केवल सुंदरता बल्कि आत्मविश्वास पर भी असर डालती है। लोग घने, काले और मजबूत बाल चाहते हैं, लेकिन अनहेल्दी लाइफस्टाइल, प्रदूषण, तनाव और केमिकल वाले उत्पादों के कारण बालों की सेहत बिगड़ने लगती है। महंगे शैंपू, तेल और ट्रीटमेंट अपनाने के बावजूद कोई खास फर्क नहीं दिखता। लेकिन क्या आप जानते हैं कि बालों की सेहत को सुधारने के लिए समाधान आपके घर के आसपास ही मौजूद है?

आयुर्वेद का असरदार उपायरू अमरूद के पत्ते

आयुर्वेद में कई ऐसे प्राकृतिक उपाय बताए गए हैं, जो बिना किसी साइड इफेक्ट के बालों को घना और मजबूत बना सकते हैं। इन्हीं में से एक है अमरूद के पत्तों का उपयोग। अमरूद के पत्तों में ऐसे पोषक तत्व होते हैं, जो बालों की जड़ों को मजबूत बनाते हैं और झड़ने की समस्या को कम करते हैं।

अमरूद के पत्तों के फायदे

अमरूद के पत्तों में विटामिन ठ और ब प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जो बालों को जड़ों से पोषण देते हैं। इनके एंटीऑक्सीडेंट और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण स्कैल्प में रक्त संचार को बढ़ाते हैं, जिससे बालों की ग्रोथ तेज होती है। इसके अलावा, ये पत्ते रूसी (डैंड्रफ) से भी बचाते हैं, जिससे बालों का असमय झड़ना कम हो जाता है।

अमरूद के पत्तों से बालों को फायदा कैसे पहुंचे?

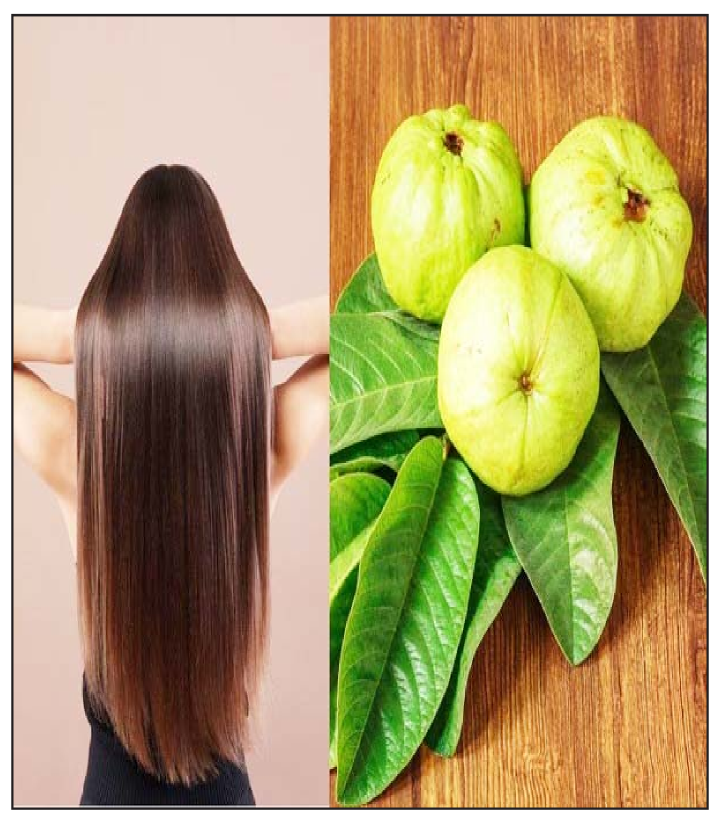

यह उपाय बहुत ही सरल है, और आप इसे अपनी रोजमर्रा की हेयर केयर रूटीन में आसानी से शामिल कर सकते हैं।

अमरूद के पत्तों का टॉनिक

कुछ ताजे अमरूद के पत्तों को एक लीटर पानी में डालकर 15–20 मिनट तक उबालें। फिर इसे ठंडा होने दें और एक स्प्रे बोतल में भर लें। अब इस टॉनिक को बालों की जड़ों और स्कैल्प पर अच्छे से स्प्रे करें और हल्के हाथों से मसाज करें। एक घंटे बाद बालों को अच्छे से धो लें।

अमरूद के पत्तों का तेल मिश्रण

अमरूद के पत्तों को पीसकर उसमें थोड़ा नारियल तेल या एलोवेरा डालकर इस मिश्रण को बालों की जड़ों पर लगाएं। इसे 30–40 मिनट तक बालों में छोड़ने दें। अगर आप इस उपाय को हफ्ते में 2–3 बार अपनाते हैं, तो कुछ ही हफ्तों में फर्क देखेंगे। बालों का झड़ना कम होगा और बाल काले और घने बनेंगे।

आयुर्वेदिक डॉक्टर का सुझाव

अमरूद के पत्तों का उपयोग आयुर्वेद में बहुत फायदेमंद माना जाता है। हालांकि, इनका उपयोग करते समय हमें डॉक्टर की सलाह पर ध्यान देना चाहिए, ताकि सही तरीके से इसका फायदा लिया जा सके।

अमरूद के पत्ते न केवल बालों को पोषण देते हैं, बल्कि इन्हें स्वस्थ और घना बनाने में भी मदद करते हैं। तो क्यों न इस प्राकृतिक उपाय को अपनाकर अपने बालों को सुंदर और मजबूत बनाया जाए।

फिट रहने के लिए ये खूबसूरत एक्ट्रेस पीती है ABC जूस

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा अपनी फिटनेस और ग्लोइंग स्किन के लिए जानी जाती हैं। उनकी हेल्दी लाइफस्टाइल का एक अहम हिस्सा है ABC जूस, जिसे वह अपने दिन की शुरुआत में पीती हैं। यह जूस डिटॉक्सिफाइंग और न्यूट्रिशन से भरपूर होता है। अगर आप भी मलाइका अरोड़ा जैसी फिटनेस और ग्लोइंग स्किन चाहते हैं, तो ।ठब जूस को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं, चलिए जानते हैं इसके बारे में।

की बिगड़ी तबीयत

ABC जूस क्या है?

ABC जूस तीन मुख्य चीजों से बनता हैरू

। – Apple (सेब)– एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर, इम्यूनिटी बूस्टर

ठ – Beetroot (चुकंदर) – ब्लड प्यूरीफायर, हीमोग्लोबिन बढ़ाने में मददगार

ब – Carrot (गाजर)– विटामिन । से भरपूर, स्किन और आंखों के लिए फायदेमंद

ABC जूस के फायदे

यह एक सुपरफूड ड्रिंक है, जो शरीर को डिटॉक्स करने के साथ–साथ स्किन और हेल्थ के लिए बहुत लाभदायक है। यह विटामिन ।, ब और एंटीऑक्सीडेंट स्किन को ग्लोइंग बनाते हैं। चुकंदर और गाजर टॉक्सिन्स को बाहर निकालकर स्किन प्रॉब्लम्स को दूर करते हैं। इसके एंटी–एजिंग गुण झुर्रियों और फाइन लाइन्स को कम करता है। शरीर से हानिकारक टॉक्सिन्स निकालकर मेटाबॉलिज्म सुधारता है।

प्रेमानंद जी की पदयात्रा को रोकने के लिए हुई थी साजिश !

इम्यूनिटी को बूस्ट करता है ये जूस

इसमें विटामिन ब, आयरन और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो शरीर को इंफेक्शन से बचाते हैं। सर्दी–खांसी और वायरल बीमारियों से बचाने में मदद करता है। चुकंदर में नाइट्रेट्स होते हैं, जो ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में मदद करते हैं। चकुंदर शरीर में हीमोग्लोबिन बढ़ाता है और एनीमिया (खून की कमी) से बचाता है। शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को सुधारता है, जिससे थकान और कमजोरी कम होती है।

डाइजेशन भी सुधारता है ये जूस

फाइबर से भरपूर होने के कारण कब्ज और एसिडिटी की समस्या दूर करता है।

फरवरी के दूसरे सप्ताह के बाद से बढ़ा गर्मी का असर, 20 फरवरी से बारिश का अनुमान, जारी हुआ ये अलर्ट

लखनऊ, (संवाददाता)। बीते दो दिनों तक प्रदेश में तेज गति से पछुआ हवाएं चलने से भले ही मौसम नरम पड़ा हो लेकिन, हवा की रफ्तार थमने से एक बार फिर गर्मी बढ़ने लगी है। इसी का नतीजा रहा कि रविवार को सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान वाराणसी 31.0 व प्रयागराज 31.8 डिग्री सेल्सियस रहा और यह सबसे गर्म शहर रहे। मौसम विभाग की मानें तो अभी तापमान और बढ़ेगा। आगामी बीस फरवरी को पश्चिम यूपी के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश की भी संभावना जताई गई है। फरवरी माह में इस बार प्रदेश के विभिन्न जिलों में तापमान में वृद्धि देखने को मिल रही है। ऐसे में आने वाले दिनों में गर्मी और उमस में और इजाफा हो सकता है। खासकर फरवरी महीने के अंत में, जो सामान्यतः ठंड का मौसम होता है, लेकिन इस बार तापमान अधिक दर्ज किया जा रहा है। यह स्थिति समय से पहले गर्मी की शुरुआत का संकेत है। यदि मौसम इसी तरह रहा तो बढ़ती गर्मी और उमस से सड़क मार्गों पर ट्रैफिक में रुकावटें हो सकती हैं, और लोग अधिक गर्मी से परेशान हो सकते हैं। गर्म हवाओं के कारण सड़क पर यात्रा करना थका देने वाला हो सकता है, खासकर दोपहर के समय में लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। गर्मी का असर बढ़ने से फरवरी माह में ही घरों व कार्यालय में पंखा व एसी का इस्तेमाल होने लगा है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक रविवार को प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में पछुआ हवाओं की गति लगभग थम गई है। इसी के चलते तापमान लगातार बढ़ रहा है। आने वाले तीन–चार दिनो तक इसी तरह का मौसम रहने की संभावना है। रहा। इसी तरह हमीरपुर 30.6, आगरा 29.0, लखनऊ 29.5, कानपुर 29.6 व गोरखपुर में 26. 8 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा। इसी तरह मुरादाबाद में सबसे कम अधिकतम तापमान 24.4 डिग्री सेल्सियस रहा।

ट्रेन से कटकर चचेरे भाई–बहन की मौत, पलक झपकते ही उड़ गए चीथड़े

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के गोंडा में गोंडा–बलरामपुर रेल मार्ग पर रविवार की रात मालगाड़ी से

कटकर चचेरे भाई–बहन की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। हालांकि घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। हादसा खिरौरा शहबाज गांव के पास हुआ। रविवार की रात मालगाड़ी ट्रेन बलरामपुर से गोंडा जा रही थी। पिलर संख्या 206 के करीब युवक और युवती ट्रेन के सामने आ गए। पलक झपकते ही दोनों की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। ट्रेन चालक ने इसकी जानकारी सुभागपुर रेलवे स्टेशन पर दी। इसके बाद घटना की सूचना इटियाथोक थाने को दी गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ट्रैक के आसपास बिखरे शवों के टुकड़ों को इकट्ठा करवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतकों की पहचान चचेरे भाई–बहन के तौर पर हुई है। सूचना घरवाले रोते बिलखते पहुंच गए। मृतक के पिता ने बताया कि बेटा ट्रक ड्राइवर था। दो दिन पहले घर आया था। देर शाम को कब घर से निकला, इसकी जानकारी नहीं हो सकी। मृतका के भाई ने बताया कि वह अपनी मां को अस्पताल में एडमिट कराकर इलाज करा रहा था। घर पर छोटा भाई था।

अशोक सिद्धार्थ को निष्कासित करने के बाद सख्त हुईं बसपा सुप्रीमो, बताया कौन होगा उनका उत्तराधिकारी

लखनऊ, (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा कि कांशीराम की शिष्या व उत्तराधिकारी होने के नाते उनके पदचिह्नों पर चलते हुए मैं अपनी आखिरी सांस तक हर कुर्बानी देकर पार्टी मूवमेंट को आगे बढ़ाने का संघर्ष जारी रखूंगी, ताकि बहुजन समाज के लोग राजनीतिक गुलामी व सामाजिक लाचारी के जीवन से मुक्त होकर अपने पैरों पर खड़े हो सकें। इसे आगे बढ़ाने के लिए स्वार्थ, रिश्ते–नाते महत्वहीन हैं। मेरे लिए बहुजन–हित सर्वोपरि है। अपने समधी अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से बाहर करने के बाद उनके इस बयान के सियासी मायने तलाशे जा रहे हैं। मायावती ने जारी बयान में आगे कहा कि बसपा डॉ. आंबेडकर द्वारा शुरू किए गए बहुजन समाज के आत्मसम्मान व स्वाभिमान के कारवां को सत्ता तक पहुंचाने तथा कांशीराम द्वारा सब कुछ त्यागकर स्थापित की गई पार्टी और उसका मूवमेंट है। कांशीराम की तरह ही मेरे जीते–जी भी पार्टी व मूवमेंट का कोई भी वास्तविक उत्तराधिकारी तभी है, जब वह भी कांशीराम की अंतिम सांस तक उनकी शिष्या की तरह पार्टी व मूवमेंट को हर दुख और तकलीफ उठाकर आगे बढ़ाने में जी–जान से लगा रहे। उन्होंने पार्टी के छोटे–बड़े सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे पूरी निष्ठा व ईमानदारी से जवाबदेह होकर तन, मन, धन से काम करते रहें। इसी जिम्मेदारी के साथ कैडर के बल पर जमीनी स्तर पर पार्टी संगठन की मजबूती व सर्वसमाज में जनाधार को बढ़ाने के साथ ही आगे भी हर चुनाव की तैयारी में पूरी दमदारी के साथ लगना है। अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निष्कासित किए जाने के बाद पार्टी के नेशनल कोआर्डिनेटर आकाश आनंद ने चुप्पी साध ली है। आकाश आनंद के कैंप में भी मायावती के इस फैसले के बाद सन्नाटा पसरा है। आमतौर पर मायावती के हर फैसले पर प्रतिक्रिया देने वाले आकाश ने इस मामले में कोई भी टिप्पणी नहीं की। रविवार को जारी मायावती के बयान से साफ हो गया है कि बसपा में अंदरखाने सब ठीक नहीं है। दिल्ली हादसे के पीड़ितों की मदद करे सरकार

बसपा सुप्रीमो ने दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात हुए हादसे को लेकर कहा कि प्रयागराज

महाकुंभ जाने के लिए रेलवे स्टेशन पर उमड़ी भीड़ के बीच रेलवे की गंभीर लापरवाही से मची भगदड़ में काफी लोगों की हुई मौत व घायल होने की घटना दुखद है। उन्होंने पीड़ितों के प्रति गहरी संवेदना जताने के साथ केंद्र सरकार से दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा पीड़ितों की पूरी मदद करने की मांग की है।

तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलटी, चार लोग घायलय महाकुंभ में स्नान करके लौट रहे थे घर

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के अमेठी में सोमवार को तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसे में कार सवार चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। सभी लोग उत्तराखंड और मुरादाबाद के रहने वाले थे। महाकुंभ में स्नान करके अपने घर लौट रहे थे। हादसा जायस कोतवाली क्षेत्र के नसीराबाद रोड स्थित लोहिया पुल के पास हुआ। सुबह श्रद्धालुओं से भरी तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसे में कार सवार मनोज निवासी रामपुर मुरादाबाद,कमल निवासी रुद्रपुर उत्तराखंड,अजय सिंह निवासी रुद्रपुर उत्तराखंड और हरपाल निवासी रुद्रपुर उत्तराखंड घायल हो गए। घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए। सूचना पुलिस को दी गई। हादसे की जानकारी मिलते ही जायस कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को नसीराबाद सीएचसी में भर्ती कराया गया। कार सवार महाकुंभ में स्नान के बाद अपने घर वापस जा रहे थे। बताया जा रहा है कि चालक को झपकी आने की वजह से हादसा हो गया।

संक्षिप्त समाचार

बीबीएयू में 28 तक जमा करें पीएचडी फीस

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय में पीएचडी के लिए चयनित अभ्यर्थी अब 28 फरवरी तक फीस जमा कर सकते हैं। अभी तक अभ्यर्थियों को फीस जमा करने की सुविधा 14 फरवरी तक ही थी। विवि के कुलसचिव की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि विभाग चयनित अभ्यर्थियों का चालान देने के बाद फीस जमा करवा लें। इसके बाद सभी चयनित अभ्यर्थियों की सूची प्रवेश सेल को दी जाएगी। प्रवेश सेल सूची का सत्यापन करेगा। चयनित अभ्यर्थियों को 28 फरवरी तक फीस जमा करनी है। इसके बाद तीन मार्च से उनका कोर्स वर्क शुरू हो जाएगा। नए अध्यादेश के अनुसार, पीएचडी के सभी अभ्यर्थियों को छह महीने का कोर्स वर्क अनिवार्य रूप से करना है।

विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर होगा एआई पर काम

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट आफ फॉरेंसिक साइंस के निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी के मुताबिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े मुद्दों पर काम करने के संस्थान विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ काम करेगा। वे रविवार को संस्थान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की उभरती तकनीकें और कानूनी नियम विषय पर हुई कार्यशाला में बोल रहे थे। इजराइल के राजनयिक माया शेरमन ने कहा कि एआई की निष्पक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने नैतिक एआई के विकास की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि विशाल डाटा सेट एआई की क्षमता बढ़ाते हैं, लेकिन गोपनीयता भंग होने और डेटा के दुरुपयोग का जोखिम भी बनते हैं। इस दौरान अपर निदेशक राजीव मल्होत्रा, डीन एसपी राय, एआर सीएम सिंह, श्रुति दास गुप्ता, विवेक कुमार, डॉ. रोशन सिंह, जनसंपर्क अधिकारी संतोष तिवारी, प्रतिसार निरीक्षक बृजेश सिंह, फैकल्टी डॉ. सपना और डॉ. अजीत मौजूद रहे।

वोकेशनल कोर्स आवंटन के लिए 20 तक भरें गूगल फॉर्म

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय में बीएससी द्वितीय और चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों को वोकेशनल कोर्स आवंटन के लिए 20 फरवरी तक गूगल फॉर्म भरने के लिए कहा गया है। गूगल फॉर्म के आधार पर ही विद्यार्थियों को वोकेशनल कोर्स आवंटित किए जाने हैं। लविवि प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि स्नातक स्तर पर विद्यार्थियों को सामान्य के साथ ही वोकेशनल कोर्स पढ़ने का विकल्प भी मिल रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसकी सूची उपलब्ध करा दी है। विद्यार्थियों को जिस वोकेशनल कोर्स में दाखिला चाहिए, उसका ब्योरा उनको भरकर देना होगा। इसमें तेजी लाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने गूगल फॉर्म जारी किया है।

वन संपदा का संरक्षण करने वाले 30 वाचर्स को मिली साइकिल

लखनऊ, (संवाददाता)। एनवायरमेंट वारियर्स संस्था ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से रविवार को कतर्नियाघाट स्थित मोतीपुर फॉरेस्ट गेस्ट हाउस में कार्यक्रम किया। इस दौरान बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे सरोजनीनगर विधायक राजेश्वर सिंह ने वन संपदा के संरक्षण में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कतर्नियाघाट प्रभाग के 30 वाचर्स को विधायक साइकिलें भेंट कीं। पांच वनकर्मियों को भी सम्मानित किया। विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा में उनका योगदान सराहनीय है। पर्यावरण संकट पर चिंता जताते हुए बताया कि वायु प्रदूषण के कारण हर वर्ष 60 लाख लोगों की मृत्यु हो रही है। पिछले 100 वर्षों में औसत वैश्विक तापमान 1.2 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है और यदि यह 0.3 डिग्री और बढ़ता है, तो परिणाम बेहद घातक होंगे। इस दौरान इंटर–स्कूल क्विज प्रतियोगिता भी हुई, जिसमें सर्वोदय इंटर कॉलेज ने बाजी मारी। कार्यक्रम में वरिष्ठ आईएफएस अधिकारी एच राजा मोहन, कीर्ति चौधरी, डीएफओ शिव शंकर, तेजपाल

संक्षिप्त समाचार

बैंक से धोखाधड़ी कर 17 लाख हड़पने का आरोपी पूर्व मैनेजर गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। गोमतीनगर पुलिस ने शनिवार को इंडियन मर्केंटाइल बैंक के 15 निष्क्रिय पड़े खातों को सक्रिय कर 16.93 लाख ऐंठने के आरोपी पूर्व मैनेजर को गिरफ्तार कर लिया। 16 अप्रैल 2021 में बैंक की गोमतीनगर शाखा के कार्यकारी सचिव व मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनय भूटानी ने पांच के खिलाफ केस दर्ज कराया था। मामले में पुलिस बैंक के आईटी अधिकारी मो. इरफान को तीन महीने पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। इंस्पेक्टर राजेश त्रिपाठी के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी वजीरगंज की रिवर बैंक कॉलोनी स्थित गोमती सदन में रहने वाला आलोक पांडेय है। आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। विवेचक अतिरिक्त निरीक्षक विनोद तिवारी के मुताबिक आलोक पांडेय मर्केंटाइल बैंक की गोमतीनगर शाखा में मैनेजर था। 2021 में उसी बैंक में तैनात सुनील कुमार श्रीवास्तव ने बीमारी के चलते छुट्टी ले ली थी। शाखा अधिकारी अरुण चौबे व पूरन सिंह नेगी उनकी आईडी के जरिये काम संभाल रहे थे। तभी सौ पन्नों की चार चेक बुक गोमतीनगर शाखा व कैंट शाखा से 25 पन्नों की 10 चेक बुक गायब हो गई थीं। जांच में पता चला था कि बैंक मैनेजर आलोक पांडेय ने अपनी अभिरक्षा में कैंट शाखा में पड़े तीन व गोमतीनगर शाखा से 12 निष्क्रिय खातों को सुनील कुमार की यूजर आईडी के जरिये सक्रिय किया था। इस धोखाधड़ी में आरोपी का साथ आईटी अधिकारी मो. इरफान ने दिया था। खाताधारकों को ठगी की जानकारी न हो पाए। इसलिए आईटी अधिकारी मो. इरफान ने तकनीकी समस्या का बहाना बनाकर वन टाइम पासवर्ड (ओटीपी) की सुविधा कुछ दिनों के लिए बंद करा दी थी। विवेचक ने बताया कि इसके बाद आलोक ने खाताधारकों के फर्जी हस्ताक्षर बनाकर सक्रिय किए गए खातों में पड़े 30 लाख रुपये हड़पने की कोशिश की थी। पर बैंक से 16.93 लाख ही जारी हो पाए थे। फिर उसने आर्यावर्त बैंक शाखा अलीगंज में हरीश कुमार के नाम पर दो बैंक खाते खुलवाए और यह रकम उनमें ट्रांसफर कर दी थी। इसके बाद ही मामले में जांच के आदेश हुए थे। मामले में अरुण चौबे व पूनम भी दोषी बनाई गई थीं। पर जांच में इनकी भूमिका नहीं मिलने इनके नाम निकाल दिए गए थे। अगर किसी भी बचत या चालू बैंक खाता में दो साल तक कोई लेनदेन नहीं होता है तो ऐसे खाते को बैंक निष्क्रिय खाते की श्रेणी में डाल देते हैं। ऑनलाइन लॉगइन करने या एटीएम से पैसे निकालने या चेकबुक से भी जमा या पैसा निकालने पर खाता चालू रहता है। पर एक निष्क्रिय खाते में न तो आप पैसा जमा कर सकते हैं न ही निकाल सकते हैं। यहां तक कि सारे डिजिटल लेनदेन भी इसमें काम नहीं करते हैं।

पुलिस अफसर ने नगर निगम टीम से की मारपीट

लखनऊ, (संवाददाता)। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के आदेश के अनुपालन में नगर निगम की टीम बिजनौर की ओमेक्स सिटी में तालाब को फिर उसके स्वरूप में लाने के लिए रविवार को मौके पर पहुंची थी। इस दौरान टीम को बाहरी जिले में तैनात पुलिस अधिकारी वीरेंद्र कुमार ने काम नहीं करने दिया और मारपीट की। आरोप है कि नायब तहसीलदार कुमकुम मिश्रा और उनकी टीम को रोक लिया। स्थानीय पुलिस जब मौके पर गई तो वह व उनकी टीम लौट पाई। मामले में नगर निगम अब पुलिस अफसर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराएगा। ओमेक्स सिटी में पाट दिए गए तालाबों को पुनर्जीवित करके एनजीटी में डीएम व नगर आयुक्त को 20 फरवरी को शपथ पत्र दाखिल करना है। इससे पहले पटे तालाब को खोदने के लिए नगर निगम और तहसील की टीम मौके पर गई थी। टीम ने जैसे ही काम शुरू किया। खुद को पुलिस अफसर बताने वाले एक व्यक्ति ने भारी बवाल किया और टीम को रोक दिया। कुछ लोगों ने वीडियो बनाए तो फोन छीनकर वीडियो डिलीट करा दिया।

कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य अभिषेक मनु सिंघवी पहुचे रामलला के दरबार, होने लगी चर्चा

लखनऊ, (संवाददाता)। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य और पार्टी का मुखर चेहरा, कानूनविद अभिषेक

मनु सिंघवी ने रविवार को अयोध्या पहुंच कर श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्रभु रामलला के दर्शन किए। यह बेहद चौंकाने वाला रहा। वह इसलिए कि सिंघवी और कपिल सिब्बल जैसे कांग्रेस से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के शीर्ष अधिवक्ताओं ने हमेशा अयोध्या विवाद में राम मंदिर निर्माण के विरोध में ही पैरवी की। ऐसे में उनका रामलला के श्री चरणों में माथा टेकना, यहां पर चर्चा का विषय बन गया। इससे भी खास बात यह रही कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने उन्हें दर्शन के लिए विशेष व्यवस्थाएं प्रदान की। उनके लिए खास इंतजाम किए और उनका स्वागत भी किया। उन्होंने हनुमानगढ़ी में बजरंगबली की भी पूजा–अर्चना की और पुण्य सलिला सरयू के तट पर भी गए। सिंघवी प्रयागराज महाकुंभ स्नान करने के बाद अयोध्या आए। राम मंदिर में व्यवस्था के ट्रस्ट और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परिवार की ओर से नियुक्त प्रभारी गोपाल जी ने उनका अभिनंदन किया। सिंघवी जब रामलला के सामने पहुंचे तो उन्हें निहारते रह गए। सिंघवी को उस विचारधारा का माना जाता है, जिन्हें श्रीराम के अस्तित्व पर सवाल उठाने की आदत रही है। ऐसे में ही विश्व हिंदू परिषद के प्रवक्ता शरद शर्मा ने कहा कि अब साफ हो गया है कि रामलला के दरबार में जो भी राम विरोधी आएगा, उसका भी स्वागत है, श्रीराम सबके थे, वह सबके हैं और सबके रहेंगे। देश को इसी विचारधारा पर चलना होगा। एक दिन सिंघवी की पार्टी के शीर्ष परिवार गांधी फैमिली के सदस्यों को भी रामलला के दरबार में आकर माथा टेकना ही होगा। यही देश की आवाज है और उनकी मजबूरी भी।

देर रात घर से निकले युवक की सुबह मिली लाश

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के रायबरेली में सोमवार को एक युवक का शव पड़ा मिला। उधर से गुजर रहे लोगों ने देखा तो रुक गए। खबर फैली तो लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। घटना बछरावां कोतवाली क्षेत्र के मल्हीपुर गांव की है। युवक की पहचान बगही निवासी छोटेलाल (30) पुत्र मैकू के रूप में हुई। बताया गया कि वह बीती रात घर से निकला था। इसके बाद वापस नहीं लौटा। सुबह उसका शव घर से पांच किमी दूर पड़ा मिला।

हथौड़े से ताबड़तोड़ वार कर बेटे ने बुजुर्ग माता पिता को मारा डाला, घटना के बाद फरार

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ के मोहनलालगंज इलाके जबरौली गांव में दिल दहला देने वाली घटना घटी। बढ़ई वृतकेतु विश्वकर्मा उर्फ लाला ने पहले पत्नी मोना को मारा पीटा। फिर चारपाई पर लेटे पिता जगदीश (70) व मां शिवप्यारी (68) की हथौड़े से ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी वहां से भाग गया। पुलिस की टीमें उसकी तलाश में जुटी हैं। हत्या के पीछे पुलिस पारिवारिक कलह व संपत्ति का विवाद मान रही है।एसीपी रजनीश वर्मा के मुताबिक शनिवार रात दस बजे लाला किसी जन्मदिन पार्टी से घर लौटा। किसी बात पर उसने पत्नी मोना को पीटना शुरू कर दिया। मोना जान बचाकर कमरे में भागी। इसके बाद आरोपी लाला चारपाई पर सो रहे बुजुर्ग माता–पिता पर भड़क उठा। दंपती ने बेटे का विरोध किया तो उसने पास रखे हथौड़े से दोनों के सिर व शरीर पर ताबड़तोड़ कई वार कर दिए। बुजुर्ग माता–पिता और पत्नी ने शोर मचाया तो वह भाग निकला।खबर पाकर पहुंची पुलिस ने दंपती को सीएचसी पहुंचाया, वहां से दोनों को ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। ट्रॉमा में डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने बताया कि आरोपी की तलाश में पुलिस टीमें लगी हैं। हत्या में इस्तेमाल हथौड़ा बरामद किया गया है। आरोपी के पकड़े जाने के बाद हत्या की

वजह साफ होगी। लाला का चार साल का बेटा रुद्र है, जो घटना के वक्त कमरे में सो रहा था। छोटा भाई देवदत्त लकडमंडी में रहकर बेकरी में काम करता है। सीसीटीवी कैमरे में सुनाई दी चीख, भागता दिखा आरोपी लाला के घर के पास लगे एक सीसीटीवी कैमरे में मोना, जगदीश और शिवप्यारी की चीख–पुकार सुनाई दी है। कैमरे में आरोपी घर से भागते हुए दिखा है। ग्रामीणों के अनुसार घटना से पहले लाला के घर में गांव का एक व्यक्ति मौजूद था। लाला को उसका घर पर आना–जाना पसंद नहीं था। उस व्यक्ति को देखकर वह आगबबूला हो गया। कुछ दिन से तंत्र–मंत्रकरने लगा था।

विधानसभा अध्यक्ष ने परखी सुरक्षा व्यवस्था, सपा आज बनाएगी रणनीति

लखनऊ, (संवाददाता)। मंगलवार से शुरू होने वाले विधानमंडल के बजट सत्र को लेकर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने विधान भवन परिसर की सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों को परखा और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। रविवार को विधानभवन में आयोजित सुरक्षा संबंधी समीक्षा बैठक में डीजीपी प्रशांत कुमार, एडीजी कानून–व्यवस्था अमिताभ यश और लखनऊ के पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर समेत तमाम अधिकारी मौजूद रहे। बता दें कि सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक और कार्यमंत्रणा समिति की बैठक होनी है। सर्वदलीय बैठक में सभी दलीय नेताओं की मौजूदगी रहेगी, जिसमें सदन को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए आम सहमति बनाने की कवायद की जाएगी। खासकर सत्र के पहले दिन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के अभिभाषण के दौरान विपक्ष द्वारा किसी तरह का व्यवधान नहीं करने का अनुरोध किया जाएगा। वहीं कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में सत्र के सभी कार्य दिवसों का एजेंडा तय होगा। बता दें कि बृहस्पतिवार को राज्य सरकार द्वारा बजट पेश किया जाएगा। बजट सत्र करीब दो हफ्ते का होने की वजह से सदस्यों को अधिक से अधिक सवाल पूछने का मौका भी मिलेगा। सत्र के दौरान कई अध्यादेश भी पेश किए जाएंगे। सपा विधानमंडल दल की बैठक 17 फरवरी को दिन में तीन बजे होगी। अध्यक्षता सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, 18 फरवरी से शुरू हो रहे बजट सत्र में मुख्य विपक्षी दल पूरी तैयारी के साथ उतरेगा। कुंभ में भगदड़ में हुई मौतों का आंकड़ा जारी न करने के मुद्दे को सपा प्रमुखता से उठाएगी। इसके साथ ही जातीय जनगणना, भ्रष्टाचार, अपराध, किसानों की दुश्वारियां और अधिकारियों की मनमानी के मुद्दे भी सदन में रखेगी। अखिलेश यादव दोनों ही सदनों के सदस्यों को पार्टी की रणनीति से अवगत कराएंगे।

कुवैत में नौकरी दिलाने और फर्जी वीजा के नाम पर तीन से 2.60 लाख ठगे

लखनऊ, (संवाददाता)। उन्नाव के मो. काशिफ अली सराय हजीरा गांव निवासी मो. आमिर ने दिल्ली की पैराडाइज ट्रैवल एजेंसी के संचालक, कर्मियों व अन्य के खिलाफ सरोजनीनगर थाने में धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया है। आरोपियों पर आमिर व दो अन्य लोगों से कुवैत में नौकरी व फर्जी वीजा के नाम पर 2.60 लाख ठगने का आरोप है। आमिर के मुताबिक दिसंबर 2024 में उनकी मुलाकात रेशम से हुई थी। रेशम ने उन्हें बताया कि उन्नाव के कासिम नगर निवासी तारिक से उसकी पहचान है। तारिक वीजा बनवाने के साथ ही कुवैत में नौकरी लगवाता है। आमिर ने अपनी, साथी छोटू व अबरार की नौकरी लगवाने की बात कही। बदले में रेशम ने तारिक को तीनों से वीजा और टिकट के नाम 2.60 लाख दिलवा दिए। तारिक ने आमिर से 11 फरवरी को कुवैत जाकर नौकरी करने की बात कही। शनिवार को आमिर, छोटू व अबरार जब अमौसी एयरपोर्ट पहुंचे तब उन्हें पता चला कि वीजा और टिकट दोनों फर्जी थे। आमिर के मुताबिक उन्हीं की तरह बिहार निवासी रंजन कुमार, कमरे आलम, पंजाब के होशियारपुर में रहने वाले सुखविंदर पाल, प्रयागराज के सराय इनायत निवासी रिजवान अहमद और शनि भी कुवैत जाने के लिए आए थे।

कैलाश खेर जावेद अली सुरेश रैना एलएलसी टेन १० के समापन समारोह में लगाएंगे चार चांद

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ में चल रहे टेनिस बॉल क्रिकेट के महाकुंभ का क्रेज लखनऊवासियों के सर चढ़ कर बोल रहा है। चौकों छक्कों की बारिश में हर कोई भीगना चाहता है। लखनवाइट्स के इस क्रेज को दोगुना करने के लिए एलएलसीटेन 10 क्रिकेट के महाकुंभ में जल्द ही कैलाश खेर, जावेद अली, सुरेश रैना जैसे सुपर स्टार अपना जलवा बिखेरने आ रहे हैं।

21 फरवरी को सुरेश रैना और जावेद अली तो 22 फरवरी को कैलाश खेर की मौजूदगी से एलएलसीटेन 10 की शाम रौशन होगी।

केडी सिंह बाबू स्टेडियम लखनऊ में गुरुवार से शुरू हुए एलएलसीटेन 10 के महासंग्राम में 12 टीमों के 204 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया है। एलएलसीटेन 10 के पहले सीजन में 24 मुकाबले होने प्रस्तावित हैं. जोकि 13 से 22 फरवरी के बीच खेले जा रहे हैं। इस लीग का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया था जबकि उनके साथ खास मेहमान के तौर पर वेस्टइंडीज के धाकड़ बल्लेबाज क्रिस गेल और ऑस्ट्रेलिया के जबरदस्त तेज गेंदबाज ब्रेट ली भी मौजूद थे। हरभजन सिंह जोकि चार टीमों के मेंटर भी हैं ने दो दिन लखनऊ में रुककर खिलाड़ियों को क्रिकेट की बारीकियां सिखाई। लीग में अब तक 10 से अधिक मैच खेले जा चुके हैं। एलएलसीटेन 10 लीग के समापन समारोह में 12 टीमों के सभी खिलाड़ी, कोच और टीम मालिक स्टेडियम में मौजूद रहेंगे. लीग का बड़ा आकर्षण इसमें दी जाने वाली राशि है. जोकि 10 लाख रुपये है. उप विजेता टीम को 5 लाख रुपये मिलेंगे. फाइनल में मैन ऑफ द सीरीज खिलाड़ियों को लीग में दिए जाएंगे. आकर्षक इनाम खिलाड़ी को निसान मैग्नाइट कार मिलेगी. लीग के टॉप 9 खिलाड़ियों को एथर इलेक्ट्रिक बाइक इनाम में मिलेगी. लीग के प्रायोजकों द्वारा विशेष पुरस्कार लीग मैचों के रिजल्ट के बाद श्रेष्ठ खिलाड़ियों को प्रदान किए जाएंगे। लीग में अब तक सुहास एल.वाई खेल सचिव यूपी, प्रसार भारती चेयरमैन नवनीत सहगल, डीएम विशाख जी अय्यर, महापौर सुषमा खर्कवाल, उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री धर्मपाल सिंह इत्यादि ने पहुंच कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के साथ ही साथ उन्हें और बेहतर करने की प्रेरणा दी।

परीक्षा को नकलविहीन, शुचितापूर्ण ढंग से संपादित करायी जाए : जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में पूर्वान्चल विश्वविद्यालय के संगोष्ठी भवन में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित परिषदीय हाईस्कूल/इंटरमीडिएट परीक्षा 2025 के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में माध्यमिक शिक्षा परिषद उ०प्र०, प्रयागराज द्वारा संचालित (हाईस्कूल/इण्टर) परीक्षा वर्ष–2025, 24 फरवरी 2025 से प्रारम्भ होकर 12 मार्च 2025 के मध्य में दो पालियों में (प्रथम पाली समय–प्रातः 8:30 बजे से 11.45 बजे तक, द्वितीय पाली सायं 2.00 बजे से 5.15 बजे तक) की अवधि में आयोजित होगी। कक्षा–10 में कुल पंजीकृत परीक्षार्थियों की संख्या 74938, कक्षा–12 में कुल पंजीकृत परीक्षार्थियों की संख्या 80164, वर्ष 2025 में कुल परीक्षार्थियों की संख्या 155102 है। कुल 218 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है। जिसके लिए जोनल मजिस्ट्रेट 06, सेक्टर मजिस्ट्रेट 23 एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट 218 तैनात किये गये हैं। जनपद में सवेंदनशील 24 तथा अतिसंवेदनशील 13 परीक्षा केन्द्र है। परीक्षा कन्ट्रोल रूम का गठन कार्यालय जिला विद्यालय निरीक्षक, जौनपुर में किया गया है। परीक्षा केन्द्रो के निरीक्षण के लिए 06 सचल दस्ते बनाए गये है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया है कि परीक्षा को नकलविहीन, शुचितापूर्ण ढंग से संपादित करायी जाए और परीक्षा की शुचिता को प्रभावित करने वाले तथा कराने का प्रयास करने वालो के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने के साथ ही जेल भेजने की कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि परीक्षा के दौरान भ्रम फैलाने वालों पर भी कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने निर्देशित किया कि जनपद में परिवहन, विद्युत व्यवस्था, चिकित्सा व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित रहे। परीक्षा केन्द्र के आस पास साफ–सफाई कराना सुनिश्चित की जाए। परीक्षा केन्द्र के पास फोटोकापी की दुकाने संचालित नही की जाएंगी। परीक्षा में लगे सभी लोगो के पहचान पत्र जारी करने के भी निर्देश दिये। पुलिस अधीक्षक डा0 कौस्तुभ ने निर्देश दिया कि मा0 मुख्यमंत्री जी के मंशानुरूप नकलविहिन परीक्षा सम्पन्न करायी जाएगी। जिसके लिए जनपद की एलआईयू, उड़नदस्ता विडियो सर्विलांस टीम के साथ अन्य ऐजेन्सिया भी सक्रिय रहेंगी। उन्होंने सभी को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि अधीनस्थों के स्तर से गड़बडी होने पर भी क्रेन्द्र व्यवस्थापकों की जिम्मेदारी तय की जाएगी इसके लिए अपने अपने अधीनस्थो को भी शासन के मंशा से अवगत करा दें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवर चौहान, अपर पुलिस अधीक्षक शहर अरविन्द वर्मा, बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल, सहित केन्द्र व्यवस्थापक, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

राजकीय अलंकृत उद्यान कम्पनी बाग कचहरी वाराणसी में 22 एवं 23 फरवरी तक आयोजित होगी मण्डलीय फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जिला उद्यान अधिकारी डॉ0 सीमा सिंह राणा ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी राजकीय अलंकृत उद्यान कम्पनी बाग कचहरी वाराणसी में 22 एवं 23 फरवरी 2025 को मण्डलीय फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें जनपद के इच्छुक कृषक अपने फल, शाकभाजी एवं पुष्प के उत्कृष्ट कोटि के नमूनों को प्रदर्शनी में प्रदर्शित कर सकते हैं। जिला उद्यान अधिकारी द्वारा बताया गया कि पुरस्कार हेतु प्रदर्शनी का निरीक्षण 22 फरवरी 2025 को मध्यान्ह 12:00 बजे किया जायेगा। कृषकों को 22 फरवरी 2025 को सुबह 07:00 बजे तक प्रविष्टियां निर्दिष्ट स्थान पर लगानी होंगी। प्रतियोगिता में व्यक्तिगत वर्ग में विशेष पुरस्कार में प्रथम पुरस्कार रू0 500 (रूपया पॉच सौ मात्र) द्वितीय पुरस्कार रू0 400 (रूपया चार सौ मात्र) तृतीय पुरस्कार रू0 300 (रूपया तीन सौ मात्र) सभी वर्ग में देय होगा। प्रदर्शनी हेतु दिशा–निर्देश एवं श्रेणी आदि से सम्बन्धित सहायता के लिए 21 फरवरी तक जिला उद्यान अधिकारी, जौनपुर कार्यालय अथवा प्रदर्शनी प्रभारी सत्यभान सिंह मोबाइल नम्बर 7007284234 पर सम्पर्क किया जा सकता है ।

मार्क ड्रिल में पुलिस ने एंटी ड्रोन सोल्यूशन को किया निष्क्रिय

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या ।अयोध्या धाम में एंटी ड्रोन सोल्यूशन सक्रिय किया गया है ।जिसके तहत अयोध्या पुलिस ने मॉक ड्रिल में एक ड्रोन को निष्क्रिय किया है ।अयोध्या धाम क्षेत्र में बिना अनुमति ड्रोन उड़ाना वर्जित है ।इससे पहले भी बिना अनुमति के अज्ञात ड्रोन संचालक के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की गई थी। जिसकी पहचान हो चुकी है अभी तक की विवेचना में उपरोक्त ड्रोन का प्रयोग सोशल मीडिया पर वीडियों डालने के लिये उडायें जाने की बात ड्रोन संचालक द्वारा बतायी गयी है अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है ।सुरक्षा व्यवस्था के तहत, अयोध्या धाम क्षेत्र में विशेष सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है ।इसके अलावा, सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन कैमरों का उपयोग करके सुरक्षा की निगरानी की जा रही है ।अयोध्या पुलिस द्वारा आमजन से अपील कि वे सुरक्षा के लिए अपना सहयोग दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

विश्वविद्यालय में वीर बहादुर सिंह को किया गया नमन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ।वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय वीर बहादुर सिंह की जयंती के अवसर पर उनकी मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नमन किया। परीक्षा नियंत्रक डॉ विनोद कुमार सिंह ने कहा कि वीर बहादुर सिंह ने सदैव लोकहित में कार्य किया। जौनपुर जनपद में स्थापित विश्वविद्यालय की स्थापना में उनके अद्वितीय योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं कार्यवाहक वित्त अधिकारी प्रोफेसर अजय प्रताप सिंह ने कहा कि स्वर्गीय वीर बहादुर सिंह जी के जीवन में समय का बड़ा महत्व था उन्होंने अपने जीवन में समय को बहुत ही महत्वपूर्ण माना। वह समय से अपने कार्यालय पहुंचते थे।

अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान संकाय के अध्यक्ष प्रोफेसर मनोज मिश्र ने कहा कि स्वर्गीय वीर बहादुर सिंह जी ने पूर्वांचल के विद्यार्थियों में ज्ञान–विज्ञान एवं कौशल की वृद्धि के लिए इस विश्वविद्यालय की स्थापना की। जो आज अड़तीस वर्षों में शिक्षण–प्रशिक्षण, विज्ञान, साहित्य, कला और अन्य विधाओं में उच्चस्तरीय शोध केंद्र की भूमिका निभा रहा है तथा यहां से ज्ञान प्राप्त कर विद्यार्थी वैश्विक स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में अपना योगदान प्रमुखता से दे रहे हैं।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर अजय द्विवेदी ने कहा कि स्वर्गीय वीर बहादुर सिंह जी की प्रतिमा विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर स्थापित है जो सदैव विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्रोत का कार्य करती है।

इस अवसर पर प्रो.संदीप सिंह,प्रो. देवराज, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. नूपुर तिवारी, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. गिरधर मिश्र, उप कुलसचिव अजीत प्रताप सिंह, डॉ. मनीष गुप्त,डॉ श्याम कन्हैया सिंह, डॉ.प्रमेंद्र विक्रम सिंह,डॉ. पुनीत धवन, डॉ. धीरेंद्र चौधरी,कर्मचारी संघ के महामंत्री रमेश यादव,राज नारायण सिंह,संतोष उपाध्याय, सुशील प्रजापति,जितेंद्र पाण्डे,शील निधि सिंह, समेत लोग उपस्थित रहे।

अटाला मस्जिद प्रकरण में अगली सुनवाई 15 अप्रैल को

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अटाला मस्जिद विवाद में एक नया मोड़ आया है। जिला जज कोर्ट में मंगलवार को होने वाली महत्वपूर्ण सुनवाई को आगे बढ़ाते हुए 15 अप्रैल की नई तारीख तय की गई है। यह सुनवाई वक्फ बोर्ड द्वारा दायर की गई निगरानी याचिका पर होगी, जिसमें मस्जिद के क्षेत्राधिकार का मुद्दा प्रमुख है। विवाद की शुरुआत स्वराज वाहिनी एसोसिएशन के अध्यक्ष संतोष कुमार मिश्रा द्वारा दायर एक वाद से हुई, जिसमें मस्जिद को खाली करवाने की मांग की गई थी। मुस्लिम पक्ष ने इस केस की विश्वसनीयता को चुनौती दी, लेकिन सिविल जज जूनियर डिवीजन ने 22 अक्टूबर को उनकी अर्जी खारिज कर दी। इसके बाद मुस्लिम पक्ष की ओर से वक्फ बोर्ड ने जिला जज कोर्ट में निगरानी याचिका दाखिल की, जिस पर स्वराज वाहिनी ने आपत्ति दर्ज कराई है। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने 18 फरवरी की तारीख निर्धारित की थी। अब इस संवेदनशील मामले में अगली सुनवाई 15 अप्रैल को होगी, जिसमें दोनों पक्षों के बीच गंभीर बहस की संभावना है। इस मामले बात करते हुए हिंदू स्वराज वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष संतोष मिश्रा ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट न्यायालय ने पूजा की अवधारणा को लेकर सुनवाई चल रही है। इसी के तहत यहां भी इस मामले की सुनवाई चल रही है जिसके लिए अगली तिथि 15 अप्रैल कोर्ट ने निर्धारित किया है। बड़ा मामला होने के नाते यह जनसुनवाई का विषय है। किसी एक धर्म संप्रदाय से जुड़ा हुआ मामला नहीं है इस मामले में तमाम लोगों की गवाह सबूत और साक्ष्य आने हैं। इस कारण मामला लंबा चलेगा जिस तरह से कोर्ट लगातार सुनवाई कर रही है उसे पूरी उम्मीद है कि फैसला हमारे ही पक्ष में रहेगा जैसे ही सुप्रीम कोर्ट का कोई आदेश आएगा निश्चित रूप से हमारी कार्रवाई आगे बढ़ जाएगी। इस मामले में मुझे डर भी है जिसके लिए सुप्रीम कोर्ट ने मुझे सुरक्षा व्यवस्था मुहैया कराने के लिए भी आदेश जिलाधिकारी को दिए हैं इस मामले में हिन्दू पक्ष अधिवक्ता रामसिंह ने कहा कि 22 अक्टूबर को सिविल जज जूनियर डिवीजन शहर के ऑर्डर 7 रूल 11 के खिलाफ मुश्लिम पक्ष द्वारा जिला जज कोर्ट में एक निगरानी याचिका दायर किया गया था,जिसकी सुनवाई आज होनी थी,जिला जज के आदेश पर पत्रावली एडीजे चार के न्यायालय में अवतरित हो गयी,इसलिए वहां आज सुनवाई होनी थी लेकिन आज पहली तारीख थी इसलिए सुनवाई नही हो पाई,अग्रिम सुनवाई के लिए न्यायालय ने 15 अप्रैल की तिथि निर्धारित की है ।मुश्लिम पक्ष ने एडीजे चार कोर्ट से आग्रह किया कि माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा वरशिप एक्ट पर सुनवाई के बाद ही इस केस की सुनवाई की जाए।

विदाई समारोह में छात्र छात्राओं को उपहार देकर सम्मानित किया गया

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

राष्ट्रपिता म्युनिसिपल इंटर कॉलेज, शाहाबाद में कक्षा 12 के छात्र–छात्राओं की विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त अध्यापकों ने छात्रों को आगामी बोर्ड परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएं

देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना के साथ उनका मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर छात्रों ने भी अपने सीनियर्स को उनके आगामी भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की एवं उनसे अपने विचार साझा किया। कार्यक्रम के अंत में कक्षा 12 के समस्त छात्र छात्राओं को उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य गोविंद कुमार बाजपेई, वरिष्ठ प्रवक्ता मनोज कुमार त्रिपाठी, अरुण कुमार मिश्र, रिजवान अहमद, अश्वनी कुमार, श्रीमती संजू सरोज के साथ अन्य सभी अध्यापकों ने उपस्थित रहकर छात्र–छात्राओं का उत्साह वर्धन किया। कार्यक्रम का मंच संचालन कक्षा 11 के छात्र मोहम्मद जुबेर ने किया।

जाना बाजार की बेटी दीक्षा ने एक बार फिर साबित किया कि बेटियां किसी भी क्षेत्रों में बेटों से नहीं है कम

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या)

अयोध्या ।कौन कहता है बेटियां बेटों से पीछे हैं ।एक बार फिर जाने बाजार की बेटी ने इसरो में वैज्ञानिक पद पर चयनित होकर न सिर्फ अपने माता–पिता का नाम रोशन किया बल्कि क्षेत्र का भी ना रोशन किया

है ।बताते चले कि वैज्ञानिक दीक्षा अंतरिक्ष में रिसर्च करके चंद्रयान जैसे मिशन का हिस्सा बनना चाहती है ।देश को सशक्त राष्ट्र बनाने में अहम योगदान करके देश की सेवा करना चाहती है ।ऐसी भावना से ओतप्रोत वैज्ञानिक दीक्षा ने कहा इसीलिए इसरो जैसी संस्थान का चुनाव किया है। यह उद्गार व्यक्त करते हुए सोमवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो में वैज्ञानिक हुई 24 वर्षीय जानाबाजार की बिटिया कहते हुए उसकी आखे गदगद हो गयी ।देश के सबसे बड़े प्रतिष्ठित संगठन इसरो में वैज्ञानिक बनने के बाद प्रथम गांव आगमन पर स्वागत में गांव वासियों ने पलक पांवडे बिछा दिए ।उसके पहुंचते ही जाना बाजार चौराहे पर क्षेत्र की भारी भीड़ का हुजूम उमर पड़ा ।और उसे लोग फूल मालाओं से लाद दिया । चौराहे से घर तक 1 किलोमीटर के रास्ते में लोग स्वागत मे जुलूस बनाकर चल रहे थे,और जगह–जगह रास्ते मे खड़ी महिलाओं ने पुष्प वर्षा करके गांव की बिटिया का स्वागत किया ।भीड़ में वैज्ञानिक बिटिया ने भी अपने लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन स्वीकार करती नजर आई। देश के सम्मान में समर्पित भाव से अंतरिक्ष में रिसर्च करके मिशन से जुड़ने की उत्सुकता उसके चेहरे पर साफ झलक रही थी ।अपनों के बीच में अपने स्वागत से गदगद अपने माता–पिता परिजनों के साथ दीक्षा ने कहा यह पल कभी नहीं भूलूंगी ।जाना बाजार चौराहे पर स्वागत करने वालों में सुरेंद्र वर्मा,समाजसेवी शेर बहादुर शेर, अशोक श्रीवास्तव, शिक्षक अजीत श्रीवास्तव, इंजीनियर अजय श्रीवास्तव, भास्कर तिवारी,राहुल पांडे, रामजी मोदनवाल, हरीराम, जगदंबा मिश्रा, प्रेमचंद श्रीवास्तव, अवनीश श्रीवास्तव, रमाशंकर मौर्य,अनिल प्रजापति, अंजू मोदनवाल ,राजू गुप्ता,मोहम्मद सलीम,आदि सहित सैकड़ो लोग शामिल रहे। इनके अलावा घर पहुंचते ही सैकड़ो महिलाओं और बच्चियों ने जमकर स्वागत किया ।घर पहुंच कर बधाइयां देने वालों का ताता लग रहा।

शादी के आठवें दिन दूल्हे की मौत

बस्ती, (संवाददाता)। शादी के आठवें दिन दूल्हे की अचानक मौत होने से परिजनों में कोहराम मच गया। दुल्हन के हाथ की मेहंदी छूटने से पहले ही वह विधवा हो गई। जानकारी के अनुसार, नगर पंचायत नगर बाजार निवासी सत्यम मोदनवाल पुत्र स्व. हरिराम मोदनवाल की आठ फरवरी को प्रीति मोदनवाल पुत्री स्व. बेचई लाल मोदनवाल निवासी पिकौरा बक्स बिजली कॉलोनी गांधीनगर बस्ती के साथ शादी हुई थी। रविवार को सत्यम अपना उपचार कराने कलवारी गया था। बताया जाता है कि उसे बवासीर की शिकायत थी। परिजनों ने बताया कि कलवारी में किसी डॉक्टर से इंजेक्शन लगवाकर वह घर आया। थोड़ी देर में उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजन जब तक कुछ समझ पाते उसकी मौत हो गई। सत्यम की मौत से उनके परिजन अवाक रह गए। परिजनों में चीख–पुकार मच गई। लोगों में इस बात की चर्चा थी कि शादी के आठवें दिन दूल्हे की अचानक मौत होने से पत्नी प्रीति मोदनवाल का क्या होगा।

महाकाल के एमडी ने किया रामलला व हनुमंत लला का दर्शन पूजन

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। मंगलवार को महाकोल कंपनी के एमडी उमेश जयंती लाल संघवी अपने अपने परिजनों तथा कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट, रीजनल मैनेजर के साथ रामलला, हनुमानगढी सहित अन्य प्रमुख मंदिरों में जाकर पूजन अर्चन किया ।दर्शन पूजन करने के बाद एक होटल में खास मुलाकात में बताया के उन्होंने जितना रामनगरी के बारे में सुना था उससे कहीं ज्यादा दिव्या और अलौकिक दिखाई। यहां की जनता के कार्यशैली की तारीफ करते हुए उन्होंने बताया कि वास्तव में जिस तरह राम राज्य के समय में जनता एक दूसरे के अलावा बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं कि बिना किसी स्वार्थ के मदद करने को तैयार रहते हैं वही दिखाई दे रहा था। उन्होंने बताया कि इससे पहले वह राम मंदिर निर्माण प्रारंभ होने से पहले आए हुए थे तब मैं और आज की अयोध्या में काफी बदलाव हुआ है ।बताया कि चाहे एयरपोर्ट के मामले में हो सड़क के मामले में हो होटल के मामले में हो सड़कों के मामले में हो या अन्य सुविधाओं के मामले ।बताया कि रामनगरी के विकास के लिए केंद्र व राज्य सरकार कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है ।बताया कि कई वर्षों की राम भक्तों के मेहनत और केंद्र व उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार के चलते आज यह संभव हो सका है कि प्रभु श्री राम दिव्य और अलौकिक मंदिर में विराजमान हैं। इनके अलावा दिल्ली से आए नीरज मिश्रा ने बताया कि रामनगरी का जितना विकास मंदिर निर्माण के प्रारंभ होने के बाद हुआ है कल्पना नहीं की जा सकती। बताया कि अयोध्या के विकास में मोदी व योगी सरकार कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे। वही लखनऊ से आए अजीत मिश्रा ने बताया कि राम मंदिर के निर्माण से अयोध्या धाम का चहुँमुखी विकास हो रहा है जिसका जीता जागता उदाहरण आज देखने को मिल रहा है कि रामनगरी में लाखों की संख्या में श्रद्धालु आ रहे हैं ।जबकि गोरखपुर से रामलाल का दर्शन पूजन करने आए राकेश मिश्रा ने बताया कि इस समय लाखों की श्रद्धालुओं की भीड़ देखने से यही लगता है कि राम मंदिर के निर्माण से रामनगरी का भविष्य में चौमुखी विकास बहुत ही तेजी से होगा ।रोजगार के अवसर बढ़ेंगे वही बेरोजगारों को अन्य शहरों की ओर पलायन नहीं करना हो

तीन किमी दौड़ में अनुज ने मारी बाजी

गोरखपुर, (संवाददाता)। क्षेत्र के ग्राम पंचायत सूरस में रविवार को मंडल स्तरीय तीन किलोमीटर दौड़ प्रतियोगिता आयोजित हुई। इस प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों के 50 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में प्रथम पांच स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी खलीलाबाद के अनुज यादव, सहजनवां के उमाशंकर यादव, महराजगंज के सदानन्द निषाद, सरपतहां के पंकज चौरसिया व मोहद्दीपुर के रवि विश्वकर्मा को नकद राशि मेडल व ट्रॉफी से पुरस्कृत किया गया जिला स्तरीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में सफलता अर्जित करने वाले प्रतिभागी सीनियर वर्ग में साक्षी पासवान, रूपेश सहानी, अजय यादव, शिव यादव और जूनियर वर्ग में स्नेह लता मौर्या, कुमारी मानसी व हिमांशु मौर्य को भी पुरस्कृत किया गया।

आईसीएसई बोर्ड परीक्षा आज

सुलतानपुर रू आईसीएसई बोर्ड की परीक्षा आज से जनपद में शुरू हो गई। परीक्षाएं तीन परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जा रही हैं। मॉडर्न पब्लिक स्कूल गभड़िया,गुरचरन कौर पब्लिक स्कूल सिविल लाइन और सेंट जॉन्स कान्वेंट स्कूल गनापुर बल्दीराय ।इन विद्यालयों के छात्र–छात्राएं परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। परीक्षा के पहले दिन विद्यार्थियों में काफी उत्साह देखने को मिला। सभी केंद्रों पर सख्त अनुशासन और सुरक्षा व्यवस्था के बीच परीक्षा का संचालन हो रहा है।

संदिग्ध परिस्थितियों में छात्रा की मौत, जमीन पर पड़ा मिला शव

बस्ती, (संवाददाता)। हर्रैया थाना क्षेत्र के रमया गांव की कक्षा 12वीं में पढ़ने वाली छात्रा की रविवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना पर पुलिस पहुंची तो उसे जमीन पर लिटाया गया था। परिवार के लोगों ने पुलिस को बताया कि उसने फंदा लगा लिया। पुलिस ने उसे सीएचसी हर्रैया ले गई, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार, हर्रैया थाना क्षेत्र के रमया गांव निवासी लालजी मुंबई में रहते हैं। उनका बेटा लखनऊ में रहता है। घर पर उनकी पत्नी गुड्डन तीन बेटियों के साथ रहती हैं। रविवार को उसकी दो बेटियां शालू व परी मां के साथ खेत में काम करने गई थी। कुछ देर बाद उसकी मां ने छोटी बेटी परी को सोनी (17) को बुलाने भेजा तो उसे जमीन पर पड़ा देखा। भाग कर अपनी मां को उसने बताया। मां शोर मचाते हुए मौके पर पहुंची तो आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। किसी ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे सीएचसी हर्रैया पहुंचाया,।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।